आकाशवाणी शिमला
02.08.2024 / प्रादेशिक समाचार / 18:00 बजे

मौसम अपडेट

प्रदेश में बीते दो दिनों के दौरान हुई मानसून की भारी वर्षा और बादल फटने की घटना में लापता लोगों की तलाश के लिए राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। कुल्लू, मंडी और शिमला ज़िले में बादल फटने की घटनाओं में 50 से अधिक लोग लापता हो गए थे, जिनमें से 47 लोगों का अब तक भी कोई पता नहीं चल पाया है, जबकि 6 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें पांच मंडी और एक कुल्लू ज़िला का है। राजस्व व आपदा प्रबंधन के विशेष सचिव डीसी राणा ने बताया कि पानी के तेज बहाव की वजह से ब्यास नदी के नजदीक एक गांव में नौ लोग फंस गए थे, जिन्हें बाद में एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आई आपदा में 65 घरों को नुकसान हुआ जबकि 23 मवेशियों की भी जान चली गई। रामपुर के समेज में एनडीआरएफ के 70 जवान बचाव अभियान चला रहे हैं। इसके अलावा आईटीबीपी और एसडीआरएफ के जवान भी बचाव अभियान में जुटे हुए हैं।

मौसम अपडेट–2

डीसी राणा ने बताया कि मलाणा में भी 20 से 25 लोगों के फंसे होने की जानकारी है। इनमें कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी पूरी तरह से सुरक्षित हैं और इनके पास खान–पान की सामग्री भी उपलब्ध है। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज शिमला जिला के रामपुर के समीप आपदा प्रभावित क्षेत्र समेज पहुंचे और प्रभावित इलाके का जायजा लिया। समेज खड्ड में आई बाढ़ में 36 लोग बह गए हैं, जिनमें करीब 8 बच्चे और 15 महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने लापता लोगों के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों को किसी भी अन्य गांव में किराए पर रहने के लिए 5 हज़ार रूपये दिए जाएंगे और फौरी राहत व रोज़मर्रा की ज़रूरत के लिए फिलहाल सरकार 50 हज़ार रूपये प्रदान करेगी। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रभावितों के लिए खाद्यान्न सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं मुहैया कराने के प्रशासन को निर्देश दिए हैं। इस दौरान शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और सातवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष व रामपुर से विधायक नंदलाल भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे।

जयराम ठाकुर

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें हिमाचल प्रदेश में आई आपदा से हुए जानमाल के नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आपदा से निपटने के लिए प्रदेश को हर संभव मदद का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से भी राहत व बचाव कार्य में जुटकर प्रभावितों की हर संभव मदद करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमाचल की त्रासदी से निपटने के लिए भविष्य में जिस भी तरह के संसाधन की आवश्यकता होगी, वो प्रदेश सरकार को तत्काल उपलब्ध करवाया जाएगा। जयराम ठाकुर ने आपदा राहत व बचाव कार्य में प्रदेश को सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आपदा के समय प्रदेश की हर संभव मदद की जा रही है और एन. डी.आर.एफ., सेना, वायु सेना राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

राष्ट्रपति–राज्यपाल सम्मेलन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में ऐसे कई मुद्दों पर चर्चा होगी जो केंद्र व राज्यों के संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और आम लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को विस्तार देते हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि सम्मेलन के एजेंडा में सावधानीपूर्वक चुने गए मुद्दे शामिल किए गए हैं, जो राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में तीन नए कानूनों के लागू होने से न्याय प्रणाली का एक नया युग शुरू हुआ है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने राज्यपालों को सलाह देते हुए कहा कि वे संबंधित राज्यों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में इस समन्वय को बढ़ावा दे सकते हैं।

इंदु गोस्वामी

केंद्रीय श्रम व रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में प्रत्येक महीने की 27 तारीख को निधि आपके निकट कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। राज्यसभा सांसद इन्दु गोस्वामी द्वारा संसद में पूछे गए एक लिखित प्रश्न के उत्तर में उन्होंने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'निधि आपके निकट' कार्यक्रम के तहत जनवरी से जून के बीच मिली सभी एक हज़ार एक सौ 78 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है।